108वीं भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस

हाल ही में **प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस (Indian Science Congress- ISC) के 108वें सत्र का उद्घाटन किया गया।**

- इस सम्मेलन का मुख्य विषय '**महिला सशक्तीकरण के साथ सतत् विकास के लिये विज्ञान और प्रौद्योगिकी**' **है।**

प्रमुख बिंदु:

- **महिलाओं की भागीदारी का महत्त्व:**
  - **महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि** समाज और विज्ञान की प्रगति का प्रतिबिंब है।
  - आज **विज्ञान के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ-साथ महिलाओं की भागीदारी से विज्ञान के सशक्त होने का युग है।**
  - **बाह्य अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी पिछले आठ वर्षों में दोगुनी हो गई है।**
  - भारत को G20 की अध्यक्षता करने का अवसर प्राप्त है।
    - **महिलाओं के नेतृत्व में विकास** उच्च प्राथमिकता वाले विषयों में से एक है।
- **भारत की उपलब्धियाँ:**
  - पीएचडी शोध कार्यों और **स्टार्टअप इकोसिस्टम की संख्या के मामले में भारत अब विश्व के शीर्ष तीन देशों में से एक है।**
  - वर्ष 2015 में 81वें स्थान की तुलना में भारत वैश्विक नवाचार सूचकांक 2022 में 40वें स्थान पर है।
  - वैज्ञानिक विकास का उद्देश्य अंततः देश की आत्मनिर्भरता होनी चाहिये।
- **वर्तमान युग में विज्ञान का महत्त्व:**
  - **विज्ञान तभी सफल है जब प्रौद्योगिकियों के उपयोग के साथ ज़मीनी स्तर पर भी काम किया जाए।**
  - वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किये जाने के साथ ही भारत में बाजरा/मोटे अनाज और उनके उपयोग को विज्ञान के माध्यम से और बेहतर बनाए जाने की आवश्यकता है।
  - वैज्ञानिक समुदाय को **जैव प्रौद्योगिकी** की मदद से फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने की दिशा में काम करना चाहिये।
- **ऊर्जा नवाचार:**
  - राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन पर ध्यान केंद्रित करने के लिये **वैज्ञानिक समुदाय की आवश्यकता का समर्थन किया गया** और इसे सफल बनाने हेतु भारत में इलेक्ट्रोलाइज़र जैसे महत्त्वपूर्ण उपकरणों के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।
    - **राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन** भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2021) पर लॉन्च किया गया था।
- **अन्य बिंदु:**
  - **डेटा संग्रह और विश्लेषण के बढ़ते महत्त्व और आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ पारंपरिक ज्ञान** के महत्त्व पर भी ज़ोर दिया गया है।
  - भारत में तेज़ी से बढ़ते अंतरिक्ष क्षेत्र में कम लागत वाले उपग्रह प्रक्षेपण वाहनों की भूमिका को स्वीकार किया गया और **क्वांटम कंप्यूटिंग** के महत्त्व पर बल दिया गया।
  - भविष्योन्मुखी विचारों और उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया, साथ ही **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence- AI), ऑगमेंटेड रियलिटी (Augmented Reality- AR) एवं वर्चुअल रियलिटी (Virtual Reality- VR)** को प्राथमिकता के रूप में महत्त्व देने पर ज़ोर दिया गया है।

भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस:

- **परिचय:**
  - वर्ष 1914 से ही देश में **भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस अपनी तरह का अनूठा आयोजन है।**
  - **यह न केवल प्रमुख संस्थानों** और प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों एवं शोधकर्त्ताओं को बल्कि **कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के विज्ञान शिक्षकों व प्रोफेसरों को भी साथ लाती है।**
  - यह विज्ञान से संबंधित मामलों पर छात्रों और सामान्य जनता के बीच आपसी वार्तालाप के लिये एक मंच प्रदान करती है।
  - यह **भारतीय विज्ञान का एक ऐसा उत्सव है जिसका शानदार अतीत रहा है** और जिसमें भारतीय विज्ञान के मेधावी भाग लेते हैं तथा कार्यक्रम का आयोजन करते हैं।
  - **भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस** का पहला अधिवेशन **1914 में हुआ था।**
- **आयोजक:**

    - भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस एसोसिएशन (ISCA)।
        - यह केंद्र सरकार में **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के सहयोग से कार्यरत एक स्वतंत्र निकाय** है।
- **विज्ञान कॉन्ग्रेस का पतन:**
    - **हाल के दिनों में निम्नलिखित घटनाओं के कारण इस आयोजन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है:**
        - महत्त्वपूर्ण चर्चा का अभाव, छद्म विज्ञान का प्रचार, यादृच्छिक वक्ताओं द्वारा उद्देश्य रहित दावे और तार्किक परिणामों की अनुपस्थिति।
    - नतीजतन, कई शीर्ष वैज्ञानिकों ने इस आयोजन को बंद करने या कम-से-कम सरकार द्वारा समर्थन वापस लेने की वकालत की है।
        - सरकार विज्ञान कॉन्ग्रेस के आयोजन के लिये वार्षिक अनुदान देती है।
        - इसके अलावा भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस (ISC) के आयोजन में सरकार की कोई भूमिका नहीं है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/108th-indian-science-congress